हिंदी विभाग

परिचय :→ महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से संबंद्ध कन्या महाविद्यालय, खरखौदा का हिंदी विभाग 1993 से कार्यरत है। यह विभाग अपनी कार्यकुशलता तथा शैक्षणिक दक्षता के कारण संपूर्ण महाविद्यालय में अपनी विशेष पहचान रखता है। सन 2013-14 से हिंदी विभाग में स्नातकोत्तर (M.A) कक्षाओं की शुरूआत की गई। हिंदी विभाग को गौरवान्वित करने का श्रेय डॉ॰ सुरेश बूरा, डॉ॰ अनुरिता नरवाल तथा श्रीमती प्रमिला को जाता है।

हिंदी विभाग के लिए बड़े ही गर्व एवं हर्ष का विषय है कि डॉ॰ सुरेश बूरा जी वर्तमान में कन्या महाविद्यालय के प्राचार्या पद को भी सुशोभित कर रही हैं। इसके साथ ही डॉ॰ सुरेश बूरा जी म॰ द॰ वि॰ की UMC कमेटी तथा Punishment for use of unfair means कमेटी की सदस्य हैं। डॉ॰ बूरा जी तीन बार विश्व हिंदी सम्मेलनों जोहान्सबर्ग, भोपाल तथा मॉरीशस में शिरकत करते हुए अपना शोध आलेख प्रस्तुत कर चुकी हैं तथा महिला सशक्तिकरण विषय पर दूरदर्शन के हिसार स्टूडियो में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इनको दो बार श्री रामचंद्र मिशन (भारत और भूटान द्वारा संचालित) द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इन्हें म॰ द॰ वि॰ द्वारा यूथ रेड क्रॉस के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

वर्तमान में हिंदी विभाग में श्रीमती प्रमिला, डॉ॰ प्रियंका तथा श्रीमती सुशीला कार्यरत हैं, जो अपनी कर्मठता तथा लगन से हिंदी विभाग को समृद्ध बना रही हैं।

उद्देश्य :→ साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध है। इसीलिए साहित्य मनुष्य के संवेगात्मक और ज्ञानात्मक विकास में वृद्धि करता है, किंतु आज के इस वैश्वीकरण के दौर में वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के कारण सूचना तंत्र के बढ़ते प्रभाव के कारण साहित्य आज हाशिए पर चला गया है। लेकिन यह विचार करने योग्य है कि साहित्य मात्र पठन-पाठन तक सीमित नहीं, अपितु युगीन परिवेश, मानव तथा समाज के संवेदनात्मक ज्ञान का पर्याय है। तथ्य और तर्क को संवेदना और विवेकशीलता से जोड़कर भविष्य का संतुलित और समग्र विकास कर सकने की दायित्व क्षमता से नई पीढ़ी को सम्पन्न करना हिंदी का लक्ष्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि साहित्य के ज्ञानात्मक और संवेदनात्मक अध्ययन के द्वारा छात्राओं को सृजक और विश्लेषक व्यक्तित्व प्रदान करना।

इसलिए सृजनात्मक लेखन के साथ-साथ हिंदी के साहित्यिक रूपों व विभिन्न शैलियों को समझने की योग्यता का विकास करना हिंदी विभाग का लक्ष्य है।

विजन (VISION) :→ हिंदी विभाग का लक्ष्य है कि वह अपनी छात्राओं की हिंदी पठन, लेखन तथा हिंदी के साहित्यिक रूपों व विभिन्न शैलियों को समझने में सहायता करता है ताकि छात्राओं में अन्तर्दृष्टि के विकास के साथ-साथ उनके दृष्टिकोण का भी विकास हो जिससे उनमें जिम्मेदारियों को समझने तथा आत्मविश्वास को बढ़ावा मिले और समाज तथा राष्ट्र निर्माण में वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

मिशन :→ हिंदी विभाग का उद्देश्य सामाजिक स्तर पर छात्राओं को गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा प्रदान करना है जिससे उनमें नैतिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास हो। इसके साथ ही एक ऐसा रचनात्मक वातावरण प्रदान करना है जिससे छात्राएँ साहित्य के साथ-साथ जनसंचार माध्यमों का शिक्षण प्राप्त कर व्यावसायिक रास्ता चुनने में सक्षम हो सकें और सामाजिक मुद्दों पर तर्कसंगत ढंग से विचार करने में योग्यता प्राप्त कर सकें।

गोल्स (Goals) :→

1. समय-समय पर ऐसी कार्यशालाएँ आयोजित करना जिनके द्वारा छात्राएँ हिंदी भाषा, शुद्ध उच्चारण तथा लेखन सीख सकें और निजी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकें।
2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए लैंग्वेज लैब की सुविधा प्रदान करना।
3. एम.ए हिंदी की छात्राओं को प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना ताकि वे रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त कर सकें।
4. छात्राओं को हिंदी के साथ विशेष व्याकरण संबंधी कोर्स करवाना जिससे वे प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कर सकें।

SWOC ANALYSIS :→

STRENGTH	WEAKNESS
1. अनुभवी एवं उच्च शिक्षित फैकल्टी (प्राध्यापक गण) 2. आधुनिक आवश्यकताओं और मनोविज्ञान से युक्त पाठ्यक्रम 3. शिक्षण अध्यापन की आधुनिक सुविधाएँ।	1. महाविद्यालय में हिंदी की छात्राओं के लिए अलग से पुस्तकालय की व्यवस्था न होना। 2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी लैंग्वेज लैब न होना।

OPPORTUNITY	CHALLENGES
सरकार द्वारा हिंदी भाषा को महत्व देते हुए सभी सरकारी संस्थाओं में हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देना। 2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए मीडिया और अन्य क्षेत्रों में रोजगार प्राप्ति की योग्यता विकसित होती है।	1. हिंदी को अच्छी कम्प्यूटर और इंटरनेट के माध्यमों में सरलता से प्रयोग करने में कठिनाई आती है। 2. हिंदी भाषा को अंग्रेजी की भांति ई-कोर्सों के रूप में सर्वसुलभ बनाने में समय लगेगा। 3. आधुनिक तकनीकी युग में हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि की कमी होना। 4. ग्रामीण छात्राओं में शुद्ध हिंदी उच्चारण और लेखन की कमी होना।

ACTION PLAN

Steps	Impact	Time Line
1. हिंदी की छात्राओं के लिए अलग से पुस्तकालय लैंग्वेज लैब की सुविधा प्रदान करना जिससे उचित शिक्षण वातावरण बनाया जा सके।	छात्राओं में शैक्षिक योग्यता का विकास होगा, पठन और लेखन की योग्यता का विकास होगा।	2020-2025
2. ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं का हिंदी उच्चारण लेखन का विकास करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन करना।	पढ़ने और सीखने की योग्यता का विकास होगा। सामाजिक संकीर्णता दूर होगी।	2020-2025
3. स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना ताकि छात्राओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों।	रोजगार योग्यता का विकास होगा।	2020-2025
4. छात्राओं की मांग के अनुरूप स्नातकोत्तर स्तर पर समावेशी कोर्स की सुविधा प्रदान करना।	रोजगार योग्यता का विकास होगा, साथ ही साथ सामाजिक प्रभाव के साथ-साथ शिक्षण गुणवत्ता में 3 सुधार होगा।	2020-2025

ACTIVITY CALENDAR (2020-21)

Activity	Nos of Activities	Proposed Month of the Activity
प्रेमचंद जयंती	01	31 July 2020
हिंदी पखवाड़ा	01 (विभागीय स्तर पर कविता पाठ / भाषण प्रतियोगिता)	14-28 Sept. 2020
सांस्कृतिक गतिविधियाँ वाद-विवाद / भाषण	02	Oct. 2020 / Feb. 2021
विस्तृत व्याख्यान	01	August 2020
शैक्षणिक भ्रमण	01	In winter vacation (December) 2021

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2015-16

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 14 सितंबर 2015	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ	45
2. 7 अक्तूबर 2015	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर	40
3. 2 नवंबर 2015	हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	60
4. 9 जनवरी 2016	भाषण व कविता पाठ	3+5 = 8
5. 14 अप्रैल 2016	वाद - विवाद (शिक्षा में समान अवसर)	18

Activities 2015-16

14 सितंबर 2015 को हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ

हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन में भाग लेती छात्राएँ।

7 अक्तूबर 2015 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर विस्तृत व्याख्यान

7 अक्तूबर 2015 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए डॉ. नरेश मिश्र।

२ नवंबर 2015 को हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता

२ नवंबर २015 को हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएँ।

१ जनवरी 2016 को भाषण व कविता पाठ

१ जनवरी 2016 को भाषण व कविता पाठ प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

15 अप्रैल 2016 को वाद-विवाद प्रतियोगिता 'शिक्षा में समान अवसर' विषय पर विचार प्रकट करती छात्रा।

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2016-17

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 13 अगस्त 2016	हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	50
2. 14 सितंबर 2016	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन भाषण, कविता पाठ, हिंदी क्लब की छात्राओं ने 'कन्या भ्रूण हत्या' पर स्लोगन व पोस्टर बनाए	35 20
3. 1 अक्तूबर 2016	वाद - विवाद प्रतियोगिता (गांधीवादी सिद्धांत)	12
4. 10 जनवरी 2017	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन व स्लोगन प्रतियोगिता	45
5. 7 अप्रैल 2017	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ॰ नरेश मिश्र)	50

Activities 2016-17

हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता

13 अगस्त 2016 को हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएँ।

14 सितंबर 2016 को हिंदी दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता

हिंदी दिवस पर संबोधित करती प्राचार्या ।

14 सितंबर 2016 को हिंदी दिवस मनाया गया

कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 14 सितंबर 2016 को हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे: भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन आदि।

हिंदी दिवस पर डॉ॰ अनुरिता अपने विचार प्रकट करते हुए।

वाद - विवाद प्रतियोगिता

1 अक्तूबर 2016 को वाद-विवाद प्रतियोगिता 'गांधीवादी सिद्धांत' विषय पर विचार रखती छात्रा।

अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस

10 जनवरी 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर
उपस्थित जनों को संबोधित करती डॉ. अनुरिता ।

विस्तृत व्याख्यान

7 अप्रैल 2017 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए डॉ. नरेश मिश्र।

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2017-18

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 14 सितंबर 2017	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ, हिंदी क्लब के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण' पर स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता	45 15] 60
2. 10 अक्तूबर 2017	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ॰ नरेश मिश्र)	55
3. 10 जनवरी 2018	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर कविता पाठ, भाषण, निबंध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता	52
4. 16 अप्रैल 2018	सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	65

Activities 2017-18

★★★★★

हिंदी दिवस

14 सितंबर 2017 को हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ, हिंदी क्लब के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण' पर स्लोग व पोस्टर प्रतियोगिता।

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा।

दैनिक भास्कर, 15 सितम्बर 2017

निस्वार्थ, त्याग और प्रेम से रहने की प्रेरणा दी गई।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

खरखौदा | हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा साहित्य अकादमी के तत्वाधान में कन्या महाविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सुरेश बूरा ने की। इस मौके पर डॉ. बूरा ने आज के युग में बढ़ती हुई हिंदी की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। हिंदी को उन्होंने गंगा के समान बताया जो निरंतर प्रवाहित होती हुई दूसरो को जीवन दान देती है। इसी तरह से हिंदी भाषा भी अपनी महत्ता और लोकप्रियता को बनाए हुए है।

पंजाब केसरी, 15 सितम्बर 2017

खरखौदा के शिक्षण संस्थानों में मनाया हिंदी दिवस

खरखौदा, 14 सितम्बर (पंकेस): हरियाणा साहित्य अकादमी के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर कन्या कॉलेज, खरखौदा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी विभाग की प्राध्यापिकाओं के साथ ही छात्राओं ने भी हिंदी की महत्ता बताते हुए अपने विचार रखे। इस अवसर पर निबंध, लेखन व भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या कालेज प्राचार्या डा. सुरेश बूरा ने किया। इसके साथ शहीद दलबीर सिंह राजकीय कॉलेज में भी हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राजकीय कालेज में भी मनाया गया हिंदी दिवस

शहीद दलबीर सिंह राजकीय कॉलेज, पिपली में भी हिंदी साहित्य अकादमी के तत्वावधान में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कालेज उप प्राचार्य कृष्ण दहिया व कार्यक्रम संयोजक किरण सरोहा ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला।

खरखौदा के कन्या कालेज में हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखती प्रोफेसर।

हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में
हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर, 2017

हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में
हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर, 2017
हरियाणा साहित्य अकादमी
विद्ययाऽमृतमश्नुते

विस्तृत व्याख्यान

10 अक्तूबर 2017 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर विस्तृत व्याख्यान डॉ. नरेश मिश्र द्वारा दिया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस

10 जनवरी 2018 को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर छात्राओं को संबोधित करती प्राचार्या डॉ. सुरेश बूरा।

सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता

१६ अप्रैल २०१८ को सुलेख लेखन प्रतियोगिता ३ में भाग लेती छात्राएँ।

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2018 - 19

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 12 अगस्त 2018	श्री रामचंद्र मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता	57 छात्रा ज्योति प्रथम
2. 14 सितंबर 2018	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण कविता पाठ, 'पर्यावरण सुरक्षा' पर पोस्टर व स्लोगन	50
3. 28 सितंबर 2018	एकेडमिक फैस्ट राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव में वाद - विवाद प्रतियोगिता	2 निशा और कोमल
4. 28 सितंबर 2018	राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव में हिंदी और हरियाणवी कविता पाठ	2+2 =4 छात्रा सुशीला प्रथम
5. 8 मार्च 2019	राष्ट्रीय संगोष्ठी- 'उच्चतर शिक्षा निदेशालय' के तत्वाधान में 'प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रासंगिकता एव उपादेयता विषय पर	38 एम.ए हिंदी की सभी छात्राएँ
6. 30 मार्च 2019	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर डॉ॰ नरेश मिश्र	35
7. 2 अप्रैल 2019	कहानी विमर्श (बूढ़ी काकी)	54
8. 11 अप्रैल 2019	वाद - विवाद (बाजारवादी संस्कृति में बढ़ते नारी के कदम)	16

Activities 2018-19

अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता

12 अगस्त 2018 को संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र भारत और भूटान तथा श्री रामचंद्र मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएँ प्राचार्या के साथ अपने प्रमाण पत्र लेते हुए।

अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता

12 अगस्त 2018 को संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र भारत और भूटान तथा श्री रामचंद्र मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में छात्रा ज्योति ने स्टेट लेवल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हरिभूमि, 15 सितम्बर 2018

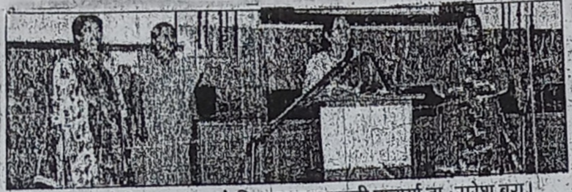

खरखौदा। हिंदी दिवस पर अपने विचार व्यक्त करती प्राचार्या डा. सुरेश बूरा।

हिंदी भाषा बिल्कुल सरल : बूरा

खरखौदा। हिंदी दिवस के अवसर पर कन्या कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी विभाग की प्राध्यापिकाओं के साथ ही छात्राओं ने भी हिंदी की महत्ता बताते हुए अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारम्भ कन्या कालेज प्राचार्या डा. सुरेश बूरा ने किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्या डा. सुरेश बूरा ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में भी हिंदी भाषा को अपनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक होते हुए भी हिंदी भाषा बिल्कुल सरल है। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी उच्चारण व लेखन दोनों की एकरूपता पर बल देने के साथ ही हिंदी के वैज्ञानिक पहलू से छात्राओं को अवगत करवाया।

हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर 2018
हिन्दी है उत्कृष्ट विश्व में,
सब भाषाओं में अनमोल।
जन्मी भारत की पुण्य धरा पर,
हिंदी की जय-जय बोल॥

हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर 2018
हिन्दी है उत्कृष्ट विश्व में,
सब भाषाओं में अनमोल।
जन्मी भारत की पुण्य धरा पर,
हिंदी की जय-जय बोल॥

हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर 2018
हिन्दी है उत्कृष्ट विश्व में,
सब भाषाओं में अनमोल।
जन्मी भारत की पुण्य धरा पर,
हिंदी की जय-जय बोल।
हिन्दी दिवस

हरियाणा साहित्य अकादमी

भास्कर, 15 सितम्बर 2018

पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो चुकी है हिंदी भाषा : बूरा

खरखौदा | शुक्रवार को कन्या महाविद्यालय में एक सेमीनार आयोजित कर
हिंदी भाषा के महत्व बताया। प्रतिभा प्रतियोगिता भी कराई गई। जिसमें उत्कृष्ट
छात्राओं को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। प्राचार्या डॉ. सुरेश बूरा ने कहा
कि हिंदी भाषा वैज्ञानिक होते हुए भी, इतनी अधिक सरल है कि यह हर भारतीय
के दिलों पर राज करती है। हिंदी भाषा अब भारत ही नहीं विश्व के कई देशों
में बोली जा रही है और प्रसिद्ध हो रही है। हिंदी दिवस पर सेमीनार प्रमिला देवी
द्वारा कराया गया। इस अवसर पर डॉ. गीता शर्मा ने हिंदी व संस्कृत भाषा की
समरूपता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर हिंदी विषय पर
निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ सहित कई प्रतियोगिताएं कराई गई। जिसमें
विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर डॉ. प्रियंका, पूनम, आशा
खत्री, डॉ. सुमिता, शालिनी, सीमांत सहित कई प्रोफेसर उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध लेखन, भाषण व हिंदी कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। हिंदी कविता पाठ व भाषण में लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया जबकि हिंदी निबंध में लगभग 30 छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली छात्राओं को मूल्यांकन के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणियों में रखा गया।

हिंदी भाषण में :- प्रथम - ज्योति, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)
द्वितीय - वर्षा, बी॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)
तृतीय - सुशीला, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)

हिंदी कविता पाठ :- प्रथम - साक्षी, बी॰ ए॰ (तृतीय वर्ष)
द्वितीय - ज्योति, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)
तृतीय - सुशीला, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)

हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का परिणाम मूल्यांकन के पश्चात प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में चयनित छात्राओं को हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से भी पुरस्कृत किया जाएगा जिनके नाम निरीक्षण समीति एवं प्राचार्या महोदया द्वारा दिए जाएंगें। कार्यक्रम के सफल प्रदर्शन पर प्राचार्या ने हिंदी विभाग एवं छात्राओं को बधाई दी।

हिंदी निबंध - लेखन :-

प्रथम - सुशीला, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)
द्वितीय - ज्योति, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)
तृतीय - नेहा, एम॰ ए॰ (द्वितीय वर्ष)

राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव

28 सितंबर 2018 को कन्या महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव में पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा खुशी प्राचार्या व अन्य मेहमानों के साथ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 8 मार्च 2019 को कन्या महाविद्यालय खरखौदा में हिंदी विभाग द्वारा 'प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रासंगिकता एवं उपादेयता' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

IV दैनिक जागरण नई दिल्ली, 9 मार्च 2019

हिंदी का व्यापक प्रयोग हो : प्रो. टंडन

कन्या कॉलेज में हिंदी विभाग के तत्वावधान में संगोष्ठी आयोजित, दो दिवसीय कार्यशाला का भी उद्घाटन

संवाद सहयोगी, खरखौदा: उच्चतर शिक्षा महानिदेशालय द्वारा स्थानीय कन्या कॉलेज में हिंदी विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। दोनों ही कार्यक्रमों का शुभारंभ कालेज प्राचार्य डा. सुरेश बूरा व कॉलेज समिति के प्रधान वेदप्रकाश दहिया की मौजूदगी में न्यायाधीश मीनू ने सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस दौरान उन्होंने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए सबसे पहले शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक महिला होने के नाते हम पर घर-परिवार एवं कार्यस्थल पर सामंजस्य स्थापित करने कि जिम्मेदारी होती है। इसका निर्वाह करने के लिए हमें आत्मनिर्भर होकर करना चाहिए।

कन्या कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करने पहुंची न्यायाधीश मीनू का स्वागत करती प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा व डॉ. आशा खत्री ● जागरण

हिंदी विभाग की तरफ से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य विषय प्रयोजनमूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं उपादेयता रहा। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीसी टंडन ने कहा कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। इसके बोलने व समझने वालों की संख्या के अनुसार विश्व में यह तीसरे क्रम की भाषा है। स्पष्ट है कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। उन्होंने कहा कि विश्व की चुनिंदा भाषाओं में से एक महत्वपूर्ण भाषा और भारत की राष्ट्रभाषा होने के कारण, देश के प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का व्यापक प्रयोग हो।

उन्होंने कहा कि प्रयोजनमूलक हिंदी के भाषिक अध्ययन का ही एक और नाम और एक और रूप है। प्रोफेसर टंडन ने कहा कि राजभाषा के अतिरिक्त अन्य नए-नए व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी का प्रचार तथा प्रसार होता है।

इस दौरान वैचारिक सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के हिंदी विभाग के प्रोफेसर रामनरेश मिश्र ने भी हिंदी की शुद्धता, लेखन व उच्चारण में इसकी एकरूपता और इसकी वैज्ञानिकता को स्पष्ट किया। संगोष्ठी में पहुंचे अन्य विद्वानों ने भी हिंदी को कंप्यूटर व इंटरनेट के लिए उपयोगी बताया। इस दौरान प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने भी हिंदी भाषा की उपयोगिता बताई। डा. बीके गर्ग, डा. संतोष मुदगिल, डा. मूर्ति मलिक आदि ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान प्रबुद्धजनों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन डा. गीता शर्मा व डा. प्रोमिला द्वारा किया गया।

एमएम-एक्सल की सांख्यिकी में बताई महत्ता

कन्या कॉलेज में शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्याशाला में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के रजिस्ट्रार प्रोफेसर गुलशन तनेजा ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर एमएस-एक्सल की सांख्यिकी में महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के पहले दिन चार सत्र आयोजित किए गए, जिनमें डा. आशा चावला ने विस्तार से जानकारी दी और करीब 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डा. आशा खत्री, डा. योगिता, डा. दर्शना, डा. सीमांत, डा. नमिता, डा. सुमिता, डा. सुमित, डा. सुमन, अमित व प्रवीण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि न्यायाधीश मीनू सिंह रही तथा बीज वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो॰ पूरनचंद टंडन रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

8 मार्च 2019 को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति का सम्मान प्राप्त करती छात्रा सुशीला।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

8 मार्च 2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने प्रमाण-पत्रों के साथ प्रतिभागी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

८ मार्च २०१९ को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने विचार प्रस्तुत
करती मुख्य अतिथि एडिशनल सिविल जज, खरखौदा श्रीमती मीनू सिंह

राष्ट्रीय संगोष्ठी

8 मार्च 2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्ध जन बीज वक्त प्रो॰ पूरनचंद टंडन, प्रो॰ नरेश मिश्र, डॉ॰ संतोष मुद्‌गिल, डॉ॰ मूर्ति मलिक, डॉ॰ बी॰ के गर्ग, डॉ॰ विजय कुमार वेदालंकार प्राचार्या डॉ॰ सुरेश बूरा जी व अन्य स्टॉफ सदस्य।

विस्तृत व्याख्यान :-

30 मार्च 2019 को हिंदी विभाग में आयोजित

विस्तृत व्याख्यान देने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ से पधारे प्रोफेसर डॉ॰ नरेश मिश्र जी ने 'भाषा विज्ञान' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

भाषा विज्ञान विषय पर छात्राओं को जानकारी देते डॉ॰ नरेश मिश्र जी और साथ में उपस्थित प्राचार्या जी व अन्य सदस्य।

कहानी विमर्श प्रतियोगिता

2 अप्रैल 2019 को कहानी विमर्श प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राओं को संबोधित करती डॉ. प्रियंका।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिनांक- 11/4/2019

11 अप्रैल 2019 को हिंदी विभाग में 'हिंदी कथा साहित्य में बाजारवादी संस्कृति का प्रभाव' विषय पर 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा कोमल।

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2019-20

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राएँ
1. अगस्त 7, 2019	समूह-चर्चा	47
2. 14 सितम्बर 2019	हिंदी दिवस (निबंध, कविता-पाठ, भाषण)	76
3. 11 नवम्बर 2019	'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' (मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता	55
4. 10 जनवरी 2020	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस (निबंध, कविता, भाषण)	50
5. 22 फरवरी 2020	हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा मातृभाषा दिवस (भाषण, कविता-पाठ)	35
6. 3 मार्च 2020	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ. नरेश मिश्र)	80
7. 6 मार्च 2020	विस्तृत व्याख्यान "काव्यशास्त्र" विषय पर (डॉ. विजय वेदालंकार)	40

Activities 2019-20

समूह चर्चा

7 अगस्त २०19 को समूह चर्चा में भाग लेने वाली छात्राओं को संबोधित करती श्रीमती प्रमिला देवी।

हिन्दी दिवस

१५ सितंबर २०१९ को हिंदी दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएँ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

मौलाना अबुल कलाम आजाद को किया याद

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं • जागरण

हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर थे अबुल कलाम : दांगी

संस, गोहाना : आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद न केवल स्वतंत्रता सेनानी अपितु पत्रकार, कवि और लेखक भी थे। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के सशक्त पक्षधर थे और 1947 में धर्म के आधार पर देश के विभाजन के सख्त खिलाफ थे। दांगी शहर में काठमंडी स्थित विश्वकर्मा स्कूल में अबुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। आजाद दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वतंत्र भारत के सर्वप्रथम शिक्षा मंत्री बने। अबुल कलाम आजाद 1923 में सबसे छोटी उम्र के कांग्रेस के अध्यक्ष बने। वह 1952 में हुए प्रथम लोकसभा चुनावों में सांसद निर्वाचित हुए, जिसके बाद उन्हें नेहरू मंत्रिमंडल में देश का सबसे पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। दांगी ने कहा कि हमें उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। इस मौके पर संदीप, बबली, गीता, अर्चना, सोनिया, पूनम, कोमल, निशा, मोनिका, मीना मौजूद रहे।

संवाद सहयोगी, खरखौदा : कन्या कॉलेज में सोमवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने कहा कि 2008 से प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी व शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस को मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 1888 में स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म हुआ था, उन्हें स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, लेखक के रूप में जाना जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद एक शिक्षाविद् तो थे ही साथ ही एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे। स्वतंत्रता संग्राम के समय वो ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। शिक्षामंत्री रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्थापना की थी।

उनका मुख्य लक्ष्य प्राइमरी शिक्षा को बढ़ाना था। उन्हें 1992 में भारत रत्न से भी नवाजा गया था। भारत की आजादी के बाद मौलाना अबुल कलाम ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की स्थापना की थी। इस दौरान छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें संगिता, कीर्ति, खुशी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

महाविद्यालय के हिंदी विभाग में 11 नवंबर 2019 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मैडम प्रमिला, प्रियंका और सुशीला की देखरेख में मनाया गया। इस अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, पेंटिंग के माध्यम से मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस

10 जनवरी 2020

10 जनवरी 2020 को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं छात्राएँ।

मातृभाषा दिवस

22 फरवरी 2020

छात्राओं को बताया मातृभाषा का महत्व

मातृभाषा पर विचार प्रस्तुत करती छात्रा।

खरखौदा, 22 फरवरी (शर्मा)। कन्या महाविद्यालय खरखौदा में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य परिषद के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। हिन्दी विभाग से सम्बद्ध डा. प्रियंका व सुशीला ने छात्राओं को मातृभाषा का महत्व बताया। प्रमिला ने बताया कि वर्ष 1999 से यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। छात्राओं ने कविता पाठ और भाषण के माध्यम से मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रा संजीता, कविता, पूजा व निशा आदि ने मातृभाषा पर विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डा. नमिता, डा. सुमिता, डा. सुषमा व डा. रमेश आदि उपस्थित रहे।

22 फरवरी 2020 को हिंदी विभाग के तहत "हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा" मातृभाषा दिवस मनाया गया।

विस्तृत व्याख्यान

वैज्ञानिक भाषा होने का गौरव है हिंदी : मिश्र

खरखौदा। शहर के कन्या कॉलेज में मंगलवार को हिंदी विभाग की ओर से व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके मुख्यातिथि के रूप में मदवि रोहतक और हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रोफेसर नरेश मिश्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि एक विज्ञान भी है। हिंदी विश्व की सभी भाषाओं में सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा होने का गौरव ऐसे ही नहीं रखती। हिंदी भाषा में वह ताकत है कि यह जैसी लिखी जाती है वैसे ही बोली भी जाती है। उन्होंने कहा कि इसकी वर्णमाला, उच्चारण स्थान, भाषिक इकाई, पारिभाषिक शब्दावली और वर्णों के उच्चारण में में शारीरिक अंगों की सक्रियता अपने आप में निराली है। इस दौरान प्रोफेसर नरेश मिश्र की ओर से प्रोफेसर हरिशंकर आदेश की रचना श्रीराम पर लिखी गई भूमिका की पुस्तक का प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने विमोचन भी किया। इस दौरान हिंदी विभाग की सदस्य डा. प्रियंका, सुशीला सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। *संवाद*

3 मार्च 2020 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर डॉ. नरेश मिश्र द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

हिन्दी सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा : नरेश मिश्र

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी साहित्य परिषद व मूल्यवर्धित कोर्स के बारे में विस्तृत व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने की। विस्तृत व्याख्यान देने के लिए प्रोफेसर नरेश मिश्र को आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर नरेश मिश्र ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं, अपितु एक विज्ञान भी है। विश्व की सभी भाषाओं हिन्दी सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा है। इसकी वर्णमाला, उच्चारण स्थान ,भाषिक इकाई, पारिभाषिक शब्दावली, वर्णों का उच्चारण शारीरिक अंगों की सक्रियता के कारण ही विश्व स्तर पर हिंदी की लोकप्रियता कायम है। इस अवसर पर डा. प्रियंका, सुशीला, प्रमिला व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

विस्तृत व्याख्यान

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर कन्या महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद के तत्वावधान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने की। कार्यक्रम में जीवीएम कॉलेज सोनीपत के प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार वेदालंकार को आमंत्रित किया गया। डा. वेदालंकार ने भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर कहा कि काव्य लेखन के संदर्भ में जिस रस व आनंद की अनुभूति होती है, वह ब्रह्मानंद सरोवर के समान है। महाविद्यालय के एक अन्य कार्यक्रम में बुटाना योगा कोच श्रीनिवास ने महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में कहा कि व्यस्त जीवन में कुछ समय यदि हम योग व ध्यान क्रिया करते हैं, तो हम बहुत से रोगों से बच सकते हैं। इन क्रियाओं के करने से मानसिक तनाव से भी दूर रहते हैं। उन्होंने छात्राओं को योग भी कराए। इस मौके पर प्रमिला, प्रियंका, सुशीला, सारिका, रमेश व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा है।

6 मार्च 2020 को 'काव्यशास्त्र' विषय पर डॉ. विजय कुमार वेदालंकार (जी. वी. एम. गर्ल्स कॉलेज) द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिया गया।